भारत सरकार
भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय
भारी उद्योग विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 149
जिसका उत्तर 21 जुलाई, 2015 को दिया जाना है

ऑटोमोबाइल उद्योग में गिरावट

149. श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत:

क्या भारी उद्योग और लोग उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार इससे अवगत है कि देश में ऑटोमोबाइल उद्योग अपने उत्पादों विशेषकर ट्रकों और अन्य भारी वाहनों एवं कारों इत्यादि की बिक्री न होने तथा अन्य कारणों से दबाव में है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) ऑटोमोबाइल उद्योग की रक्षा करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपचारात्मक उपाय किए गए हैं?

उत्तर
भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री
(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क): ऑटोमोबाइल उद्योग विगत तीन वर्षों से दबाव का सामना कर रहा था और अर्थव्यवस्था में मन्दी की वजह से कुछेक सेगमेन्ट्स के विकास में गिरावट आई थी। इस अवधि में यात्री वाहन सेगमेन्ट, वाणिज्यिक वाहन सेगमेन्ट (विशेष रूप से मध्यम एवं भारी वाणिज्यिक वाहन) की वृद्धि रुकी हुई थी अथवा इसमें गिरावट थी। इन सेगमेन्ट में चालू वित्तीय वर्ष में वृद्धि की पुन: शुरूआत हुई है।

(ख): वित्तीय वर्ष 2013-14 से घरेलू बिक्री में हुई वृद्धि का ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

श्रेणी	**घरेलू बिक्री**					
सेगमेन्ट	**2013-14**		**2014-15**		**2015-16 (जून 2015 तक)**	
	इकाई	**वृद्धि (%)**	**इकाई**	**वृद्धि (%)**	**इकाई**	**वृद्धि (%)**
यात्री वाहन	25,03,509	-6.05	26,01,111	3.90	6,53,302	6.17
वाणिज्यिक वाहन	6,32,851	-20.23	6,14,961	-2.83	1,46,159	3.55
तिपहिया वाहन	4,80,085	-10.90	5,31,927	10.80	1,13,041	-6.77
दुपहिया वाहन	148,06,778	7.31	160,04,581	8.09	39,75,724	0.64
सकल योग	**184,23,223**	**3.53**	**197,52,580**	**7.22**	**48,88,226**	**1.24**

(ग): इस उद्योग की सुरक्षा हेतु सरकार द्वारा निम्नलिखित उपचारात्मक उपाय किए गए हैं:-

i) सरकार ने फरवरी 2014 में वाहनों पर शुल्क में कमी की थी जो दिसम्बर 2014 तक जारी रही।
ii) जेएनएनयूआरएम योजना के अन्तर्गत बसों के आर्डर दिए गए।
iii) इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी दी जा रही है।

*****